RNI NO. : MAHHIN/2019/77511 | मुंबई : सोमवार, 12 दिसंबर 2022 | वर्ष 04 | अंक 203 | संपादक : फैसल शेख | पृष्ठ : 4 | कीमत : 03 रुपये

दैनिक
रोकठोक लेखनी
R

खबरें बे-रोकटोक

Read E Newspaper at Paper Boy App, Magzter App, Jio News App, Paytm App, Dailyhunt App

पीएम मोदी ने 'महाराष्ट्र समृद्धि महामार्ग' के
पहले चरण का किया उद्घाटन...

महाराष्ट्र : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को हिंदू हृदय सम्राट बालासाहेब ठाकरे महाराष्ट्र समृद्धि महामार्ग के पहले चरण का उद्घाटन किया। ये एक्सप्रेसवे 520 किलोमीटर लंबा होगा जो नागपुर और शिरडी को जोड़ेगा। हिंदू हृदयसम्राट बालासाहेब ठाकरे महाराष्ट्र समृद्धि महामार्ग करीब 55,000 करोड़ रुपये की लागत से बनाया जा रहा है, जो नागपुर और मुंबई को जोड़ता है। ये एक्सप्रेसवे भारत के सबसे लंबे एक्सप्रेसवे में से एक है, जो महाराष्ट्र के 10 जिलों और अमरावती, औरंगाबाद और नासिक के प्रमुख शहरी क्षेत्रों से होकर गुजरता है।

520 KM लंबा एक्सप्रेसवे नागपुर और शिर्डी को जोड़ेगा

छठी वंदे भारत एक्सप्रेस को भी दिखाई हरी झंडी

इससे पहले आज, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने महाराष्ट्र के नागपुर और छत्तीसगढ़ के बिलासपुर के बीच चलने वाली छठी वंदे भारत एक्सप्रेस को हरी झंडी दिखाई। ट्रेन को हरी झंडी दिखाने के बाद पीएम मोदी ने ट्रेन में सफर कर रहे यात्रियों का हाथ हिलाकर अभिवादन किया। पीएम मोदी द्वारा हरी झंडी दिखाने वाली यह छठी वंदे भारत एक्सप्रेस है। प्रधानमंत्री इससे पहले नागपुर पहुंचे, जहां केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी, राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी, मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे और उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उनका स्वागत किया।

पीएम ने नागपुर मेट्रो रेल परियोजना का भी किया उद्घाटन...

इससे पहले आज, प्रधानमंत्री ने नागपुर मेट्रो रेल परियोजना के पहले चरण का उद्घाटन किया और फ्रीडम पार्क से खपरी तक मेट्रो की सवारी करने के लिए एक टिकट खरीदा। पीएम मोदी ने 6700 करोड़ रुपये से अधिक की लागत से विकसित होने वाली रेल परियोजना के दूसरे चरण की आधारशिला भी रखी। फ्रीडम पार्क से खपरी तक की अपनी यात्रा के दौरान, प्रधानमंत्री को छात्रों और स्टार्ट-अप क्षेत्र के लोगों और जीवन के अन्य क्षेत्रों के नागरिकों के साथ बातचीत करते हुए भी देखा गया।

चलती कैब से बच्ची को फेंका!
मौत, मां के साथ की गई छेड़छाड़, एक आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज

पालघर : महाराष्ट्र के पालघर जिले में मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर एक कार में महिला के साथ छेड़छाड़ की खबर सामने आई है। महिला के विरोध करने पर उसकी 10 महीने की बच्ची को कार से फेंक दिया गया, जिसके चलते मासूम की मौत हो गई। महाराष्ट्र पुलिस ने इस मामले में केस दर्ज कर लिया है। मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर विरार फाटा के पास एक दस महीने की बच्ची को कैब से फेंकने पर उसकी मौत हो गई, जबकि उसकी मां के साथ छेड़छाड़ की गई थी। एक पुलिस अधिकारी ने कहा कि महिला को भी गाड़ी से बाहर धकेल दिया गया और उसे गंभीर चोटें आई हैं। उन्होंने कहा कि महिला और उसकी बेटी पेल्हार से वाडा तहसील के पोशेरे में शेयरिंग कैब से लौट रही थीं जिसमें कुछ अन्य यात्री भी थे। घटना में मासूम की मौत हो चुकी है, जबकि जख्मी महिला का वसई-विरार महानगरपालिका के अस्पताल में इलाज चल रहा है।

पालघर में केस दर्ज: महाराष्ट्र पुलिस ने इस बारे में जानकारी देते हुए कहा, "मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर चलती कार में एक महिला से छेड़छाड़ करने के आरोप में विजय कुशवाहा नाम के एक शख्स के खिलाफ पीएस मांडवी, पालघर जिले में आईपीसी की धारा 304 और 354 के तहत मामला दर्ज किया गया है। घटना में महिला के 10 माह के बच्चे की मौत हो गई। महिला का अस्पताल में इलाज चल रहा है।"

ठाणे के डोंबिविली में मजदूर ने अधेड़ को लात मारकर उतारा मौत के घाट,
थूकने को लेकर हुआ था विवाद

ठाणे : महाराष्ट्र के ठाणे जिले के डोंबिविली में मामूली कहासुनी को लेकर हुए विवाद में एक मजदूर ने 52 साथ के अधेड़ शख्स की कथित तौर लात मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने रविवार को ये जानकारी दी। विष्णु नगर पुलिस थाने के निरीक्षक आरएम खिलारे ने बताया कि ये घटना शनिवार दोपहर करीब एक बजे हुई। 52 के अधेड़ और 19 साल के आरोपी के बीच थूकने को लेकर झगड़ा हुआ था, जिसके बाद ये वारदात घटी। पुलिस ने आरोपी शख्स को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस की तरफ से मिली जानकारी के मुताबिक आरोपी ने कथित तौर पर पीड़ित विजय पटवा को धक्का दिया और लात मारी। आरएम खिलारे ने बताया कि, पीड़ित बेहोश हो गया और उसे अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। अधिकारी ने बताया कि शिकायत के आधार पर पुलिस ने भारतीय दंड संहिता की धारा 302 (हत्या) के तहत आरोपी को गिरफ्तार कर लिया और शव को पोस्टमार्टम के लिए सरकारी अस्पताल भेज दिया है। 52 साल के शख्स की हत्या के बाद उसके परिवार का रो-रोकर बुरा हाल है।

बता दें कि ठाणे में अपराध की वारदातें लगातार बढ़ी हैं। बीते शुक्रवार यानी 9 दिसंबर 2022 को ठाणे शहर में हत्या की एक सनसनीखेज वारदात को अंजाम दिया गया था। यहां पांच लोगों ने चाकू और सरिया से हमला कर एक युवक को बेरहमी से मार डाला था।

मुंबई 1992 दंगा: पुलिस ने 18 साल बाद
डिंडोशी से फरार संदिग्ध को किया गिरफ्तार

मुंबई : डिंडोशी पुलिस ने रविवार को कहा कि उसने एक संदिग्ध को गिरफ्तार किया है जो कथित तौर पर 1992 के मुंबई दंगों में शामिल था, जिसकी वर्षों से तलाश की जा रही थी। दिसंबर 1992 में, मुंबई में सांप्रदायिक दंगे भड़क उठे थे, जिसमें कई लोग मारे गए और घायल हुए थे। कथित तौर पर शहर के कई इलाकों में दंगे भड़क उठे थे, जहां मानव जीवन के नुकसान के अलावा निजी और सरकारी संपत्ति के नुकसान की भी सूचना मिली थी। पुलिस ने कहा कि तबरेज खान उर्फ मंसूरी (47) के रूप में पहचाने गए व्यक्ति की 2004 से तलाश की जा रही थी, जब सत्र अदालत ने उसके खिलाफ वारंट जारी किया था। पुलिस के मुताबिक, 1992 में दंगों के दौरान नौ लोगों पर आईपीसी की विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया था, जिसमें दंगा भी शामिल था और मामले में एक सत्र अदालत के समक्ष आरोप पत्र भी दायर किया गया था। नौ आरोपियों में से दो लोगों को इस मामले में बरी कर दिया गया था और एक संदिग्ध की मौत हो गई थी। "आरोपी अदालत में पेश होने में विफल रहा था और वर्ष 2004 में अदालत ने उसके खिलाफ वारंट जारी किया था। पुलिस तभी से उसकी तलाश कर रही थी। हाल ही में पता चला है कि वह एक बदली हुई पहचान के साथ रह रहा था।" "एक अधिकारी ने कहा। पुलिस ने कहा, सूत्रों से मिली जानकारी पर काम करने और तकनीकी सुराग का अध्ययन करने के बाद, पुलिस इंस्पेक्टर धनंजय कावड़े और पीएसआई नितिन सावने के नेतृत्व में एक टीम ने उसे मलाड इलाके में ढूंढ लिया और शनिवार को उसे डिंडोशी बस डिपो इलाके के पास से गिरफ्तार कर लिया गया।

संपादकीय / लेख

फैसल शेख
(प्रधान संपादक)

आधी दुनिया का हक...!

हाल के विधानसभा चुनावों में जहां गुजरात में सातवीं बार भाजपा ने रिकॉर्ड बहुमत हासिल किया, वहीं हिमाचल में कांग्रेस ने भाजपा से सत्ता छीनकर स्पष्ट बहुमत पाया। इन चुनावों में राज्यों की महिलाओं ने बढ़-चढ़कर भाग लिया, लेकिन उनकी सक्रियता व संख्या के आधार पर उचित प्रतिनिधित्व नहीं मिल पाया। दरअसल, महिला उम्मीदवारों को टिकट देने के मामले में सियासी पार्टियां उदार नजर नहीं आती। समाज की पितृसत्तात्मक सोच के अलावा चुनावी समीकरण भी इसके मूल में होते हैं। यह कैसी विडंबना है कि हिमाचल में महिला वोटरों की संख्या पुरुषों से ज्यादा होने के बावजूद सिर्फ एक महिला विधायक ही विधानसभा में पहुंची है। हिमाचल के 68 विधानसभा क्षेत्रों में से 42 सीटों पर महिला वोटरों की संख्या अधिक है, इसके बावजूद एक ही प्रत्याशी जीत दर्ज करा पाई। इस चुनाव में कुल 34 महिला उम्मीदवार मैदान में थीं। यहां तक कि राज्य में सरकार बनाने की तैयारी में जुटी कांग्रेस ने जिन तीन महिलाओं को टिकट दिये थे, उनमें से कोई भी जीतने में सफल नहीं हो पायी। आप की तमाम प्रत्याशियों की जमानत जब्त हुई। वहीं भाजपा ने पूर्व विधायकों की पत्नी समेत पांच महिलाओं को मैदान में उतारा था जिसमें केवल एक ही प्रत्याशी जीत पायी। इसे विडंबना ही कहा जायेगा कि 1967 के बाद सिर्फ 42 महिलाएं ही राज्य की विधानसभा की दहलीज तक पहुंच पायी हैं। वहीं दूसरी ओर गुजरात में विभिन्न राजनीतिक दलों ने 40 महिला उम्मीदवारों को चुनावी समर में उतारा था। भाजपा को महिलाओं ने दिल खोलकर वोट दिये। भाजपा ने विधानसभा चुनाव में 17 महिला प्रत्याशियों को उतारा था, जिनमें से 14 महिलाएं विधानसभा पहुंचने में कामयाब रहीं। वहीं एक सीट कांग्रेस की महिला प्रत्याशी ने जीती। लेकिन इसके बावजूद महिला मतदाताओं की संख्या के अनुपात में उन्हें न्यायसंगत प्रतिनिधित्व नहीं मिला। दरअसल, जहां राजनीतिक दल महिला प्रत्याशियों को पर्याप्त संख्या में प्रतिनिधित्व नहीं देते, वहीं आम वोटर भी इस दिशा में गंभीर नजर नहीं आता।

यह हमारी चुनाव प्रक्रिया की विसंगति ही है कि आम मतदाता महिला प्रत्याशियों को लेकर गंभीर नजर नहीं आता। राजनीतिक दल किसी महिला प्रत्याशी को टिकट देने से पहले कुछ विशिष्ट पृष्ठभूमि तलाशते हैं ताकि वह जिताऊ प्रत्याशी साबित हो सके। यही वजह है कि राजनीतिक परिवार की महिलाओं को तरजीह दी जाती है। जो वोटों का ध्रुवीकरण कराने में सक्षम हो। मसलन गुजरात में नरोदा सीट से चर्चित पारिवारिक पृष्ठभूमि के कारण एक डॉक्टर को टिकट दिया गया। हालांकि, यह भाजपा का गढ़ माना जाता रहा है। इसी तरह जामनगर नॉर्थ सीट से हरफनमौला क्रिकेटर रविंद्र जडेजा की पत्नी रिवाबा जडेजा को टिकट दिया गया था। रिवाबा के खिलाफ कांग्रेस प्रत्याशी के रूप में उनके ससुर अनिरुद्ध सिंह जडेजा मैदान में थे। हालांकि रिवाबा जडेजा अपनी सीट निकालने में कामयाब रही। पति का चर्चित क्रिकेटर होना उनके पक्ष में गया। गुजरात चुनाव की एक हकीकत यह भी है कि इस बार के चुनाव में महिलाओं ने पिछले चुनाव के मुकाबले जमकर वोटिंग की, जिसका लाभ भाजपा को भरपूर हुआ। लेकिन हिमाचल प्रदेश में महिला वोटर ज्यादा होने के बावजूद एक ही महिला विधायक बन सकी, जबकि वर्ष 2017 के विधानसभा चुनाव में चार महिला उम्मीदवारों को जीत मिली थी। पांचवीं विधायक वर्ष 2019 में हुए उप चुनाव में जीतकर आई थी। इस बार के चुनाव में कांग्रेस स्टार प्रचारक प्रियंका गांधी की सक्रियता का लाभ महिला प्रत्याशियों को नहीं मिला। यहां पच्छाद सीट से सिर्फ भाजपा की रीना कश्यप ही चुनाव जीत पायीं। बाकी महिला प्रत्याशियों को सत्ता विरोधी लहर का खमियाजा भुगतना पड़ा।

editor@rokthoklekhaninews.com
Faisal Shaikh @faisalshaikh_91

अश्लील फोटो वायरल करने की धमकी देकर नाबालिग लड़की के साथ कई बार किया रेप

एक 17 साल के लड़के को एक नाबालिग लड़की को ब्लैकमेल करके रेप करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया.

मुंबई : एक 17 वर्षीय लड़के को कथित तौर पर अपनी ही उम्र की एक लड़की की अश्लील तस्वीर वायरल करने की धमकी देकर कई बार बलात्कार करने के आरोप में गिरफ्तार किया गया है. उसको बाल सुधार गृह भेज दिया गया है. वह और पीड़िता एक ही मोहल्ले में रहते थे और एक-दूसरे को जानते थे. खार पुलिस ने बताया कि आरोपी ने एक किसिंग सेल्फी के जरिए किशोरी को ब्लैकमेल करने के बाद उसका रेप किया. मुंबई पुलिस के एक अधिकारी ने शनिवार को कहा कि लड़की और लड़का एक-दूसरे को जानते हैं और लड़के ने 10 अक्टूबर को बांद्रा के कार्टर रोड इलाके में अपना जन्मदिन मनाते हुए किस करते हुए दोनों की एक सेल्फी क्लिक की थी.

10 अक्टूबर से 26 नवंबर तक आरोपी ने इस सेल्फी को वायरल करने की धमकी देकर 17 वर्षीय किशोरी के साथ कई बार दुष्कर्म किया. इस घटना का पता तब चला जब वह हाल ही में उसके कॉलेज पहुंचा. इस बार लड़की ने उसके साथ बाहर जाने से मना किया तो आरोपी ने उसके साथ मारपीट की. लड़की के एक दोस्त ने उसके माता-पिता को इस हमले की घटना के बारे में बताया. इसके बारे में पूछे जाने पर लड़की ने अपनी आपबीती सुनाई.

जिसके बाद उसके परिजनों ने खेरवाड़ी पुलिस स्टेशन का दरवाजा खटखटाया. मगर यह घटना कार्टर रोड पर हुई थी, जो खार पुलिस थाने के अधिकार क्षेत्र में आता है, इसलिए मामला खार थाने में भेज दिया गया था. पुलिस अधिकारी ने बताया कि किशोर आरोपी को शुक्रवार को उसके घर से हिरासत में लिया गया. उस पर बलात्कार और अन्य अपराधों के लिए भारतीय दंड संहिता और यौन अपराधों से बच्चों के संरक्षण अधिनियम की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया. खार पुलिस थाने के अधिकारी ने बताया कि आरोपी को डोंगरी बाल सुधार गृह भेज दिया गया है.

महिला की अश्लील वीडियो बनाकर किया ब्लैकमेल, आरोपी गिरफ्तार...!

उत्तर प्रदेश : कवर्धा थाना क्षेत्र में एक महिला की एडिटिंग की गई अश्लील वीडियो और फोटो वायरल करने की धमकी देकर ब्लैकमेल करने का मामला सामने आया है। मामले में उत्तर प्रदेश के रहने वाले आरोपी को बलौदाबाजार (छग) से गिरफ्तार किया है। पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक मामला जुलाई 2021 का है। आरोपी रविन्द्र पिता ईमरत यादव (30) मूलतः ग्राम धौरा जिला ललितपुर (उप्र) का रहने वाला है। आरोपी ने रेंडमली नंबर डायल कर पीड़ित महिला से दोस्ती की। फिर अलग-अलग नंबर से कॉल कर उससे जान-पहचान बढ़ाई। शादी का झांसा देकर वीडियो कॉलिंग के जरिए उसकी तस्वीरें खींची और उसे एडिट कर अश्लील वीडियो बनाई।

मुंबई में पीएम मोदी के 'मन की बात' कार्यक्रम के नाम पर ठगी...!

मुंबई : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' पर किताब लिखने के नाम पर लोगों से ठगी करने वाले एक स्थानीय पत्रकार के खिलाफ मुंबई पुलिस ने शनिवार को मामला दर्ज किया। आरोपित पत्रकार ने सोशल मीडिया के साथ-साथ कई नामी लोगों को पत्र लिखकर वित्तीय सहायता मांगी थी। पुलिस अधिकारी ने बताया कि एक 49 वर्षीय व्यक्ति इस झांसे में आ गया और उसने 4001 रुपये की राशि दान भी कर दी। मुंबई पुलिस ने बताया, 'आरोपित पत्रकार ये दावा कर रहा था कि वह मन की बात कार्यक्रम में पीएम मोदी द्वारा दिए गए भाषणों का संकलन कर एक किताब लिखने जा रहा है। साथ ही आरोपित का यह भी कहना था कि 'सार ग्रंथ' नाम की इस किताब को राष्ट्रपति अगले वर्ष मार्च में लांच करेंगी। हालांकि, आरोपित पत्रकार को मन की बात के भाषणों को संकलित करने का ऐसा कोई अधिकार नहीं दिया गया है।' पुलिस अधिकारी ने बताया कि पीड़ित की शिकायत के बाद मुंबई के गोरेगांव पुलिस स्टेशन में धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच जारी है।

शिकायतकर्ता ने कहा कि पीएम नरेंद्र मोदी के नाम का इस्तेमाल करते हुए सबको बताया हुआ है कि वह मन की बात के ऊपर सार ग्रंथ नाम से किताब प्रकाशित करने जा रहा है। उन्होंने अपनी शिकायत में कहा है कि उक्त व्यक्ति द्वारा राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू तिवारी एवं अन्य द्वारा नई दिल्ली में 'सार ग्रंथ' प्रकाशित करने की झूठी जानकारी सोशल मीडिया और व्यक्तिगत रूप से ब्रोशर भेजकर दी जा रही है। इसकी एवज में वह चंदा इकट्ठा कर रहा है। आरोप है कि शिकायतकर्ता से भी 4001 रुपये की ठगी की गई है।

कोर्ट ने पीछा करने के आरोपी को किया बरी

कहा- 'ब्लूटूथ' से बात करने को लेकर हो सकती है गलतफहमी...

मुंबई : एक मजिस्ट्रेट अदालत ने एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर का एक महीने तक पीछा करने के आरोपी कालबादेवी के एक 32 वर्षीय व्यवसायी को बरी कर दिया. महिला का आरोप था कि 2019 में ये शख्स उसके करीब आकर 'गुड मॉर्निंग' कहता था. कोर्ट ने कहा कि आजकल इस तरह की गलतफहमी संभव है, क्योंकि ब्लूटूथ डिवाइस पर बात करने वाले कई लोगों को देखकर ये गलतफहमी होती है कि वे सड़क पर राहगीरों से बात कर रहे हैं. इसके अलावा महिला का यह कहना था कि आरोपी केवल सुबह समय उसका पीछा करता था, न कि कार्यालय से घर लौटते समय. खबर के मुताबिक मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट यशश्री मारुलकर ने कहा कि अगर आरोपी का पीछा करने करने का इरादा होता तो वह कम से कम कभी-कभी कार्यालय से घर लौटते समय शाम के समय भी उसका पीछा करता. मजिस्ट्रेट ने कहा कि आरोपी का यह बचाव कि महिला को गलतफहमी हुई होगी, भरोसा करने लायक है. मजिस्ट्रेट ने कहा कि 'सुबह के इतने व्यस्त समय में फुटपाथ पर किसी का पीछा करना असंभव है.' एक महीने तक एक सॉफ्टवेयर इंजीनियर का पीछा करने के आरोपी कालबादेवी के व्यवसायी को बरी करते हुए मजिस्ट्रेट ने कहा कि सुबह के व्यस्त कार्यालय समय के दौरान, फुटपाथ पर चलने वाले किसी व्यक्ति का पीछा करना बेहद असंभव है.

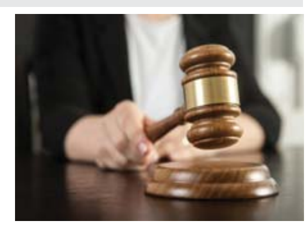

पिछले हफ्ते के इस मामले में मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट ने जुगलकिशोर पाठक को बरी करते हुए कहा कि फुटपाथ पर चलते हुए और अपने सेल फोन का इस्तेमाल करते हुए लोग कॉल करने वाले व्यक्ति को 'गुड मॉर्निंग' कहते हैं. इसलिए यह साफ है कि ऐसा हो सकता है कि आरोपी के ऑफिस का समय और पास में स्थित राष्ट्रीय हिंदू होटल में लंच करने का समय एक हो सकते हैं.

मुंबई को ठाणे से कनेक्ट करनेवाली मेट्रो ४ए मेट्रो कॉरिडोर परियोजना का काम लगभग ४३ फीसदी पूरा

मुंबई : मुंबई को ठाणे से कनेक्ट करनेवाली मेट्रो ४ए मेट्रो कॉरिडोर परियोजना का काम लगभग ४३ फीसदी पूरा हो चुका है। अब मुंबई महानगर प्रदेश विकास प्राधिकरण (एमएमआरडीए) ने मेट्रो-४ए कॉरिडोर के निर्माण की गति को बढ़ाने के साथ ही अब स्टेशन निर्माण के कार्य पर जोर देना भी शुरू कर दिया है।

एमएमआरडीए ने गायमुख स्थित गौनिवाड़ा स्टेशन का निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। वडाला से कासारवडवली के बीच मेट्रो-४ और कासारवडवली से गायमुख तक मेट्रो-४ए कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है। मेट्रो ४ का तीन हाथनाका स्टेशन ७० फीसदी तक बन कर तैयार हो चुका है, जबकि अब मेट्रो ४ए के मार्ग के स्टेशन का निर्माण अब शुरू हुआ है। २०१८ से मेट्रो-४ और २०१९ से मेट्रो-४ए कॉरिडोर का निर्माण किया जा रहा है। दोनों कॉरिडोर का निर्माण

कार्य २०२२ के करीब पूरा होना था, किंतु एक कॉन्ट्रेक्टर द्वारा तय समय में काम पूरा नहीं करने की वजह से मेट्रो-४ कॉरिडोर का काम कई महीने तक ठप रहा था। २०२२ में पूरा होनेवाला यह प्रोजेक्ट अब २०२४ तक पूरा हो पाएगा। निर्माण कार्य की रफ्तार बढ़ाने के लिए मेन कॉन्ट्रेक्टर का काम सब कॉन्ट्रेक्टर को सौंप दिया गया है।

२०२२ के शुरूआत तक कॉरिडोर का काम केवल करीब २५ फीसदी तक हुआ था, वहीं २०२२ के अंत तक २५ प्रतिशत का काम बढ़कर ४३ प्रतिशत तक पहुंच गया है। मेट्रो-४ कॉरिडोर पर कुल १४,५४९ करोड़ रुपये और मेट्रो ४ ए कॉरिडोर पर कुल ९४९ करोड़ रुपए एमएमआरडीए खर्च कर रही है। पूरे कॉरिडोर के मार्ग पर कुल ३२ स्टेशन होंगे।

मेट्रो-४ कॉरिडोर का कारशेड २०२५ तक बन कर तैयार हो जाएगा। मोघरपाड़ा में कारशेड तैयार करने के लिए एमएमआरडीए ने टेंडर जारी कर दिया है। एमएमआर के सबसे बड़े मेट्रो कॉरिडोर के कारशेड के निर्माण पर करीब ७११ करोड़ रुपए खर्च होंगे। एमएमआरडीए कमिश्नर एस.वी.आर श्रीनिवास के अनुसार मेट्रो-४ के तैयार हो जाने से मुंबई से ठाणे के बीच रोजाना सफर करनेवाले यात्रियों की यात्रा आरामदायक हो जाएगी।

शिंदे के विधायकों की सुरक्षा में लगी निर्भया फंड से खरीदी गई SUVs, 24 घंटे हैं तैनात

मुंबई। महाराष्ट्र में निर्भया फंड से खरीदी गई एसयूवी को एकनाथ शिंदे विधायकों को वाई-प्लस सुरक्षा देने के लिए डायवर्ट करने का मामला सामने आया है। बताया जा रहा है कि निर्भया कोष के तहत मुंबई पुलिस द्वारा खरीदे गए कई वाहन, जिनका उपयोग महिलाओं के खिलाफ अपराधों से लड़ने के लिए किया जाता है, उसको इस साल जुलाई से सत्तारूढ़ एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले शिवसेना गुट के सांसदों और विधायकों के लिए एस्कॉर्ट वाहन के रूप में इस्तेमाल किया जा रहा है। मीडिया रिपोट्स के मुताबिक, यह एस्कॉर्ट वाहन पांच पुलिसकर्मियों समेत चौबीसों घंटे ड्यूटी पर रहते हैं। आपको बता दें कि इस साल जून में मुंबई पुलिस ने निर्भया फंड के तहत 30 करोड़ रुपए से ज्यादा की लागत से 220 बोलेरो, 35 एर्टिगा, 313 पल्सर बाइक और 200 एक्टिवा खरीदे। जुलाई तक वाहनों को पुलिस थानों में वितरित कर दिया गया था। हालांकि, एकनाथ शिंदे के नेतृत्व वाले बालासाहेबंची शिवसेना गुट के सभी 40 विधायकों और 12 सांसदों (महाराष्ट्र में सत्तारूढ़ गठबंधन का हिस्सा) को वाई-प्लस विद एस्कॉर्ट सुरक्षा प्रदान की जा रही है। वहीं, शिंदे गुट के प्रवक्ता किरण पावस्कर ने कहा,

मुझे नहीं पता कि हमारे विधायकों के लिए कितनी गाड़ियों का इस्तेमाल किया जा रहा है।

उस दौरान जुलाई में 47 बोलेरो की तत्काल मांग की गई थी। वीआईपी सुरक्षा विभाग के एक आदेश के बाद मुंबई पुलिस के मोटर ट्रांसपोर्ट (एमटी) विभाग द्वारा पुलिस स्टेशनों से इन 47 बोलेरो में से 17 को वापस कर दिया गया और 30 को वापस किया जाना बाकी है। वाई-प्लस विद एस्कॉर्ट श्रेणी की सुरक्षा प्राप्त करने वाले को एक एस्कॉर्ट वाहन और 5 पुलिसकर्मी मिलते है, जो चौबीसों घंटे ड्यूटी पर रहते हैं।

एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी, जिन्होंने नाम न छापने की शर्त पर बताया कि नए बोलेरो को जून में खरीद के तुरंत बाद विभिन्न पुलिस इकाइयों के बीच वितरित किया गया था, जहां इनकी जरुरत थी। बोलेरो को मुख्य रूप से शहर भर के 95 पुलिस थानों में भेजा गया था। अधिकार क्षेत्र के आकार और संवेदनशीलता के आधार पर, कुछ पुलिस थानों को एक बोलेरो मिली, कुछ को दो। हालांकि, थानों में बोलेरो पहुंचने के कुछ दिनों में ही थानों को अपनी बोलेरो वापस करने को कह दिया गया, ताकि वीआईपी की सुरक्षा में इनका इस्तेमाल किया जा सके।

पुलिस अधिकारी ने यह भी बताया कि वाहनों की व्यवस्था करने के लिए जिम्मेदार मोटर परिवहन विभाग के सूत्रों ने कहा कि वीआईपी सुरक्षा की आवश्यकता को पूरा करने के लिए कहे जाने के बाद 30 से ज्यादा वाहनों को शहर भर के पुलिस थानों से अस्थायी रूप से हटा लिया गया था। हालांकि, जब कुछ हफ्तों के बाद भी वाहन वापस नहीं किए गए, तो हमें पुलिस थानों से फोन आने लगे कि उनके लिए काम करना मुश्किल हो रहा है। फिर कुछ वाहनों को पुलिस थानों में वापस कर दिया गया। आईजी (वीआईपी सुरक्षा) कृष्ण प्रकाश ने कहा कि उन्होंने वाहनों की मांग नहीं की थी, केवल एक आदेश जारी कर अपने अधिकार क्षेत्र में रहने वाले विधायकों की सुरक्षा जरूरतों के लिए संसाधन उपलब्ध कराने के लिए कहा था।

IOB को 73 करोड़ का चूना लगाने वाले कारोबारी के घर पर CBI का छापा, कई दस्तावेज जब्त

मुंबई। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में केंद्रीय जांच ब्यूरो ने इंडियन ओवरसीज बैंक को लगभग 73 करोड़ रुपए का चूना लगाने के आरोप में सीबीआई ने कारोबारी विनोद जातीया के ठिकानों पर पिछले हफ्ते छापा मारा था। दरअसल।बैंक के आरोपों के अनुसार, दिलशाद ट्रेडिंग कम्पनी और उसके पार्टनर विनोद जातीय और उनके रिश्तेदारों ने बैंक के साथ धोखाधड़ी की हैं, जिसमें उन्होंने गलत डॉक्युमेंट्स बैंक को दिए थे। सीबीआई सूत्रों के अनुसार, आरोपी कंपनी ने अपने देनदारों,लेनदारों और संबंधित संस्थाओं के साथ भुगतानों के कई लेनदेन किए। हालांकि, लेखा-जोखा में कोई लेनदेन दर्ज नहीं किया गया था।

दरअसल, सीबीआई के मुताबिक, मुंबई स्थित घर और ऑफिस में रेड के दौरान सीबीआई को इस केस से जुड़े कई सारे डॉक्युमेंट्स मिले हैं, जिनमे फंड की हेराफेरी जोकि जातीय रियल इस्टेट ग्रूप के अकाउंट में हुई हैं। वो दिख रहा हैं। इसके साथ ही बोगस लेन-देन और बिल भी पाए गए हैं। इस घोटाले में सीबीआई के रडार पर जातीय ग्रूप के पुणे और नवीं मुंबई में बन रहे फ्लैट प्रोजेक्ट भी हैं। उन्हें शक हैं कि पैसों की जो हेराफेरी हुई हैं। वो इन्हीं प्रोजेक्ट के लिए शायद इस्तेमाल किए हो।

वहीं, आरोप है कि इन कंपनियों ने फर्जी दस्तावेजों के आधार पर यह पैसा इधर-

उधर डाइवर्ट कर दिया है जिसके चलते बैंक को लगभग 73 करोड़ रुपए का चूना लगा। सीबीआई ने अपने रेड के दौरान इन प्रोजेक्ट के पेपर भी जो खंगाले हैं, जिसमें जातीय और उनके परिवार के खिलाफ इंडियन ओवरसीज बैंक ने पिछले दिनों सीबीआई को लेटर लिखकर इस पैसों के हेराफेरी की जानकारी दी थी, जिसमें बैंक ने साफ लिखा था कि दिए गए फंड को अवैध तरीके से अलग-अलग अकाउंट्स में डाला गया हैं। इसके साथ ही ऑडिट में कई सारी अनियमितता पाई गई है।ऐसे में जो सामान की लेनदेन हुई हैं। उसके बिल या फिर उसे जुड़े दस्तावजे कम्पनी के पास नहीं है। समान के आवाजाही के लिए जो गाड़ियां इस्तेमाल की गई। उनके नंबर भी नकली हैं। उनके पास उनका कोई रिकार्ड नहीं हैं। फिलहाल, इस केस में सीबीआई मामले की जांच-पड़ताल कर रही है।

पालघर में महिला से छेड़छाड़

10 महीने के बच्चे की हुई मौत ● वाहन चालक गिरफ्तार

विरार। शहर से एक हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। एक प्राइवेट वाहन चालक द्वारा एक 20 वर्षीय महिला अपने 10 महीने के नवजात बच्चे के साथ चलती कार से इसलिए कूद गई, क्योंकि निजी कार का चालक और उसमें बैठे तीन यात्री उसके साथ छेड़छाड़ कर रहे थे। इस घटना में जहां महिला जख्मी हुई है वहीं 10 माह के बच्चे की मौत हो गई। इस मामले में विरार के मांडवी थाने में वाहन चालक व तीन अन्य अज्ञात यात्रियों के खिलाफ छेड़छाड़ व हत्या का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गयी है। जानकारी के अनुसार वाडा में रहने वाली 20 वर्षीय

महिला अपनी दस माह की बेटी को लेकर नालासोपारा पूर्व के पेल्हार गांव में अपने रिश्तेदार के यहां आई थी। शनिवार की सुबह वह वापस वाडा जाने के लिए निकली। वह अपनी बेटी के साथ एक इको वाहन में बैठी थी, उस वाहन में तीन अन्य यात्री भी सवार थे। मुंबई-अहमदाबाद हाईवे पर पेल्हार के पास नॉवेल्टी होटल के सामने से गुजरते समय महिला अपनी बेटी के साथ कार से कूद गई। इस घटना में बच्ची की मौत हो गयी, जबकि महिला घायल हो गयी। आसपास के लोगों ने महिला को नजदीकी अस्पताल में दाखिल किया और इसकी सूचना पुलिस को दी। पुलिस ने जब महिला से पूछताछ की तो उसने बताया कि ड्राइवर के साथ-साथ अन्य यात्रियों ने उसके साथ छेड़खानी करने की कोशिश कर रहे थे, जिसकी डर की वजह से वह कूद गई। पुलिस ने मामला दर्ज कर जब जांच शुरू की तो कुछ समय बाद वाहन चालक को गिरफ्तार कर लिया गया, जबकि अन्य यात्रियों की तलाश कर रही है।

शिव मंदिर पर कार्रवाई के विरोध में उतरे विहिप -बजरंग दल

शिव भक्तों का उमड़ेगा सैलाब

बोईसर। पालघर के बोईसर पूर्व में स्थित ओस्तवाल केसरपार्क सोसाइटी में बनाये गए शिव मंदिर को तोड़ने के आदेश के बाद शिव भक्तों का आक्रोश उफान पर है। विहिप और बजरंग दल ने ऐलान किया है कि अगर शिव मंदिर पर कार्रवाई हुई तो हजारों की संख्या में हिंदू सड़कों पर उतरकर सरकार और प्रशासन के विरोध में प्रदर्शन करेंगे। लोगों ने मंदिर पर कार्रवाई के आदेश को तत्काल वापस लेने की मांग की है। शिव मंदिर पर तोड़क कार्रवाई को लेकर भड़के विरोध को देखकर प्रशासन को कार्रवाई करने से पहले काफी मशक्कत का सामना करना पड़ेगा।

मंदिर पर कार्रवाई के दिन हजारों शिव भक्त करेंगे जलाभिषेक

केसर पार्क में स्थित शिव मंदिर पर 12 दिसंबर को प्रशासन ने कार्रवाई का आदेश स्थानीय अधिकारियों को दिया है। तो वहीं इस कार्रवाई के विरोध के हिंदू संगठनों ने चलो केसर पार्क का नारा दिया है। इन संगठनों का दावा है, कि हजारों की संख्या में शिव भक्त मंदिर पहुचकर कार्रवाई का विरोध कर पूजा अर्चना करेंगे। केसर पार्क चलो के नाम से सोशल मीडिया पर संदेशों का अंबार लग गया है। जिसमे सरकार और अधिकारियों की जमकर आलोचना की जा रही है।

गोदाम में आग कोई हताहत नहीं

मुंबई। चेंबूर के पी. एल लोखंडे मार्ग पर डॉ. बाबासाहेब अंबेडकर कामगार वसाहत के ट्रांजिस्ट कैंप बी 2 के पास आधी रात करीब ढाई बजे एक डेकोरेशन गोदाम में आग लग गई। जिसके बाद मौके पर दमकल की दो गाड़ियां पहुंची और आग को काबो में किया। बताया जाता है कि जिस गोदाम में आग लगी उसमें डेकोरेशन के कई सारे कपड़े और कागज के सामान रखे गये थे. जिसकी वजह से आग आसानी से पूरे गोदाम में फ़ैल गई। आग लगते ही पास के नगर पालिका के ट्रांजिट कैंप बिल्डिंग और चली में रहने वाले नागरिकों को बाहर निकाला गया। इससे कोई हताहत नहीं हुआ।

चंद्रकांत पाटिल शाईफेक मामले में

11 पुलिसकर्मी निलंबित

पिंपरी चिंचवड़: राज्य में विवादित बयानों का सिलसिला जारी है। बीजेपी नेता और राज्य मंत्री चंद्रकांत पाटिल के कुछ दिन पहले महात्मा फुले और अंबेडकर को लेकर दिए गए बयान से प्रदेश में माहौल गरमा गया है। शुक्रवार को औरंगाबाद में एक कार्यक्रम में उच्च और तकनीकी शिक्षा मंत्री पाटिल ने कहा था कि आंबेडकर और फुले ने शैक्षणिक संस्थान चलाने के लिए सरकारी अनुदान नहीं मांगा, उन्होंने लोगों से स्कूल और कॉलेज शुरू करने के लिए धन इकट्ठा करने के लिए भिक्षा मांगी। भिक्षा शब्द के प्रयोग से विवाद खड़ा हो गया।

डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर और महात्मा ज्योतिबा फुले के बारे में महाराष्ट्र के मंत्री चंद्रकांत पाटिल की कथित टिप्पणी को लेकर पुणे के पिंपरी में शनिवार को उन पर स्याही फेंकी गई। अब इस घटना पर पिंपरी चिंचवाड़ पुलिस ने अपने सात कांस्टेबलों और तीन अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। पुलिस अधिकारी ने बताया कि पूरे मामले की जांच की जा रही है।

'हमलों से डरते नहीं', चंद्रकांत पाटिल

शनिवार रात चंद्रकांत पाटिलने पत्रकारों से कहा कि वह इस तरह के हमलों से डरते नहीं हैं और सभी विपक्षी नेताओं को इसकी निंदा करनी चाहिए। उन्होंने कहा, मेरे बयान को गलत समझा गया। उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं से राज्य इकाई के अध्यक्ष चंद्रशेखर बावनकुले के निर्देशों का पालन करने और कानून को अपने हाथ में नहीं लेने की अपील की।

उद्धव ठाकरे ने पीएम मोदी के महाराष्ट्र दौरे को लेकर कसा तंज!

सीमा-विवाद का भी किया जिक्र...

महाराष्ट्र : शिवसेना पार्टी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने पीएम नरेंद्र मोदी के महाराष्ट्र दौरे को लेकर निशाना साधा है. उन्होंने रविवार (11 दिसंबर) को कहा कि महापुरुषों का अपमान करने वाले राज्यपाल प्रधानमंत्री के साथ मंच साझा कर रहे हैं, इसका क्या मतलब समझें. उन्होंने कहा कि अब तक महाराष्ट्र में कई मुख्यमंत्री आए हैं. ये सारे काम जनता की ओर से दिए गए टैक्स के कारण हुए हैं. कर्नाटक सीमा विवाद पर मुख्यमंत्री बीजेपी की स्क्रिप्ट पढ़ रहे हैं.

उद्धव ठाकरे गुट छत्रपति शिवाजी पर राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी की ओर से दिए गए बयानों को लेकर नाराज है. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को महाराष्ट्र के नागपुर को छत्तीसगढ़ के बिलासपुर से जोड़ने वाली वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन को रविवार को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया.

पीएम मोदी रहे महाराष्ट्र के दौरे पर

ट्रेन को रवाना करने का कार्यक्रम नागपुर रेलवे स्टेशन पर आयोजित किया गया. कार्यक्रम के दौरान पीएम मोदी ने नागपुर और अजनी रेलवे स्टेशन के पुनर्विकास की आधारशिला भी रखी. इस मौके पर महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस, राज्यपाल भगत सिंह कोश्यारी, केंद्रीय मंत्री नितिन गडकरी भी मौजूद रहे.

उन्होंने शहर के अजनी में सरकारी रखरखाव डिपो और नागपुर-इटारसी तीसरी लाइन परियोजना के कोहली-नरखेड़ खंड को राष्ट्र को समर्पित किया. इसके अलावा प्रधानमंत्री ने नागपुर मेट्रो रेल परियोजना के पहले चरण का उद्घाटन भी किया. इस दौरान उन्होंने मेट्रो ट्रेन की सवारी का लुत्फ भी उठाया. पीएम मोदी ने शहर में मेट्रो परियोजना के दूसरे चरण की आधारशिला भी रखी.

नागपुर में एम्स का किया उद्घाटन

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को नागपुर में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) का उद्घाटन किया. प्रधानमंत्री मोदी ने 2017 में इस अस्पताल की नींव रखी थी. इसे 1,575 करोड़ रुपये की लागत से बनाया गया है और यह वर्धा रोड क्षेत्र में स्थित है. पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि शहर में पीएम मोदी के दौरे के मद्देनजर लगभग 4,000 पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया.

महावितरण का बिजली चोरों के खिलाफ एक्शन जारी

इतने लाख यूनिट बिजली की चोरी पकड़ी गई

उल्हासनगर : महावितरण के कल्याण परिमंडल द्वारा बिजली चोरों के खिलाफ व्यापक अभियान शुरू किया गया है, इसी क्रम में महावितरण की स्पेशल टीम ने कल्याण के मोहने, टिटवाला क्षेत्र और पालघर परिमंडल में 291 बिजली उपभोक्ताओं को बिजली चोरी करते हुए पकड़ा है।

कल्याण परिमंडल के जनसंपर्क अधिकारी विजय सिंह दुधभाते ने बताया कि परिमंडल के मुख्य अभियंता धनंजय औढेंकर के मार्गदर्शन में पिछले दो माह से अधिक बिजली नुकसान वाली बिजली लाइनों पर सघन तलाशी अभियान जारी है। इसके अनुसार, पालघर परिमंडल के पालघर, दहानू, बोईसर ग्रामीण, जौहर, मोखाड़ा, विक्रमगढ़, सफाले, तलासरी अनुमंडल में अधिक बिजली नुकसान वाले बिजली लाइनों पर एक हजार 775 बिजली कनेक्शनों का निरीक्षण किया गया। 182 जगहों पर बिजली चोरी और 10 जगहों पर बिजली का अनाधिकृत उपयोग पाया गया। इस अभियान में करीब 25 लाख रुपए मूल्य की 2 लाख यूनिट बिजली की चोरी पकड़ी गई। टिटवाला अनुमंडल के गोवेली रोड, टिटवाला, नंदप रोड, बलयानी गांव, उंबरली रोड क्षेत्र में 2 हजार 860 विद्युत कनेक्शनों का निरीक्षण किया गया।

इसमें 86 व्यक्ति बिजली चोरी करते पाए गए और 4 व्यक्ति अनाधिकृत बिजली का उपयोग करते पाए गए। कल्याण पश्चिम में मोहने विद्युत लाइन पर 7 हजार 407 विद्युत कनेक्शनों का निरीक्षण किया गया।

बेलागवी सीमा विवाद पर भड़के आदित्य ठाकरे,

बोले- 'असंवैधानिक' शिंदे सरकार स्टैंड नहीं ले पा रही

महाराष्ट्र : महाराष्ट्र-कर्नाटक सीमा विवाद का मुद्दा थमने का नाम नहीं ले रहा है। इस मामले को लेकर शिंदे और ठाकरे गुट के बीच लगातार जुबानी जंग जारी है। ठाकरे गुट के कई नेता शिंदे सरकार को घरने में लग गए हैं। इसी क्रम में आज आदित्य ठाकरे का भी बयान सामने आया है। आदित्य ठाकरे ने कहा है कि मामला सुप्रीम कोर्ट में है, इसे वहीं सुलझाना चाहिए, हिंसा नहीं होनी चाहिए। 'असंवैधानिक' तरीके से बनी शिंदे सरकार स्टैंड नहीं ले पा रही है। महाराष्ट्र और कर्नाटक दोनों भाजपा शासित राज्य हैं, केंद्र को हस्तक्षेप करना चाहिए। इसके अलावा ठाकरे ने मुंबई में बढ़ते प्रदूषण का मुद्दा भी उठाया। उन्होंने कहा कि शिंदे सरकार इस मामले पर भी खामोश है। जनसरोकार से जुड़े मसले पर उचित कदम उठाने की जरूरत है लेकिन शिंदे सरकार को इसकी कोई चिंता नहीं है।

बेलगावी सीमा विवाद या बेलगांव सीमा विवाद कर्नाटक और महाराष्ट्र के भारतीय राज्यों के बीच एक विवाद है। वर्तमान में बेलगावी कर्नाटक का एक जिला है, लेकिन ब्रिटिश भारत में, वर्तमान गुजरात, महाराष्ट्र और कर्नाटक के कुछ क्षेत्रों के साथ, बॉम्बे प्रेसीडेंसी का हिस्सा था। 1881 की जनगणना में बेलगावी जिले में 864,014 निवासियों की आबादी दर्ज की गई थी। उनमें से 556,397 (64.39 प्रतिशत) कन्नड़ भाषी थे और 225,008 (26.04 प्रतिशत) मराठी बोलते थे। 1947 में भारत की स्वतंत्रता के साथ, पूर्व बॉम्बे प्रेसीडेंसी का बेलगावी जिला बॉम्बे राज्य का हिस्सा बन गया। 1956 में, राज्य पुनर्गठन अधिनियम ने बेलगावी जिले को नवगठित मैसूर राज्य (अब कर्नाटक) में शामिल कर लिया।

मालिक , मुद्रक,प्रकाशक ,संपादक फैसल शेख ने सोमानी प्रिंटिंग प्रेस , गाला नं 3 - 4 ,अमीन इंडस्ट्रियल इस्टेट ,सोनावला क्रॉस रोड नं 12 ,गोरगांव (पूर्व),मुंबई 63 से छपवाकर रूम नं 15 रमजान बिन 17 सी वंजावडी, माहिम वेस्ट मुंबई :4000 16 से प्रकाशित किया। संपर्क कार्यालय : 1 -ए, ग्राउंड फ्लोर साहिल मेंशन, बालमिया लेन, माहिम वेस्ट मुंबई 400016 मोबाइल नं 9987 77 5650 व्हाट्सप्प नं 7977 40 8589 : Email - editor@rokthoklekhaninews.com